

जियोर्जिया एंड्रियानी ने अपनाई भारतीय संस्कृति

अभिनेत्री एंड्रियानी, जो अनीता खबूसूरी और आकृषण के लिए जानी जाती है, 2025 की शुरुआत एक नए उत्साह और खुद को बहतर बनाने के संकल्प के साथ कर रही है।

अपने इस साल के फोकस को खुद पर केंद्र करते हुए, जियोर्जिया ने अपनी कलात्मक यात्रा के आगे बढ़ाने के लिए भारतीय शास्त्रीय नृत्य अधिकरण सीखने का फैसला किया है। उन्होंने कथक की ट्रेनिंग मार्शल कथक नृत्य कोरियोग्राफर *राजेंद्र चूर्णेंद्र* के मार्गदर्शन में शुरू की है। राजेंद्र चूर्णेंद्र बालास धराने की शैली के कलागुरु हैं और गोपी कृष्ण और सितारा देवी जैसे महान कलाकारों से मेरिट हैं। वे नटराज गोपी कृष्ण इंटर्नेट चलाते हैं और कई प्रासिद्ध कलाकारों को प्रशिक्षित



जाते हैं। जियोर्जिया एंड्रियानी ने अपने कथक सीखने की शुरुआत को अपने इंस्टाग्राम स्ट्रोरीज के लिए दिखाया। इन वीडियो में उनकी कौशलता को देखना आगे बढ़ाने की शैली के कलागुरु हैं और गोपी कृष्ण और सितारा देवी जैसे महान कलाकारों से मेरिट हैं। वे नटराज गोपी कृष्ण इंटर्नेट चलाते हैं और कई प्रासिद्ध कलाकारों को प्रशिक्षित

मुकुराते हुए देखना या मेरे काम से जुड़ते हुए महसूस करना, इससे बड़ी खुशी और कुछ नहीं हो सकती। इससे बहुत संतुष्टि मिलती है।

यदि आप एक्टर नहीं होतीं, तो क्या होतीं?

मैं शायद मॉडलिंग जारी रखती था फिर इमेज कोच के तौर पर कैरियर बनाती। मेरी दिलचस्पी हमेसा से स्टाइल, गूंगिंग और पर्सनल प्रेटेनिंग में रही है। दूसरों को आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करने और अपनी बेहतरीन छाँव प्रस्तुत करने में मदद करना मुझे बहुत संतोषजनक लगता है। एक तरह से, यह कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसा अनीता भाबी था मेरी करती है।

विदिशा और अनीता भाबी में क्या अंतर है?

अनीता भाबी बोल, आत्मविश्वास से भरपूर और बेबाक हैं, जबकि मैं असल जिदी में तोड़ना और कुछ नया करना पसंद है।

विदिशा और अनीता भाबी में क्या होती है?

अनीता भाबी बोल, आत्मविश्वास से भरपूर और बेबाक हैं, जबकि मैं असल जिदी में तोड़ना और कुछ नया करना पसंद है।

विदिशा श्रीवास्तव ने 'गोदी मेम' कहे जाने पर दी द्वास विविधा

मुंबई, जनवरी 2025: विदिशा श्रीवास्तव, जो एंड्रियानी के पॉपुलर शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अनीता भाबी का किरदार निभाने के लिए जानी जाती है, अपनी खबूसूरी, समझदारी और आत्मविश्वास से दर्शकों का दिल जीतती आ रही है। लेकिन वह विदिशा को असल जिदी की शक्तिवर्यता उनकी ऑन-स्क्रीन आइकॉनिक किरदार अनीता भाबी से मेल खाती है? इस खास इंटरव्यू में विदिशा ने अपनी अब तक की यात्रा, चुनौतियों और अनीता भाबी के किरदार को जीतवं बनाने के पीछे के राज बताये।

ऐक्टर होने की सबसे अच्छी बात आपको क्या लगती है?

ऐक्टिंग मुझे लोगों के साथ जुड़ने और अलग-अलग विद्युतों को जीतवं बनाने का एक मंच देती है। सबसे संतोषजनक बात यह है कि इसकी मदद से मैं लोगों का मनोरंजन कर पाती हूं।

विदिशा और अनीता भाबी में क्या होता है?

अनीता भाबी बोल, आत्मविश्वास से भरपूर और बेबाक हैं, जबकि मैं असल जिदी में तोड़ना और कुछ नया करना पसंद है।

छत्तीसगढ़ी फिल्मों के त्रिदेव ने वितरण में श्री गणेश किया RLR सिनेमा नाम से

रायपुर। इस साल की सबसे बड़े बजट फिल्म सुपरस्टार अमलेश नागेश, एल्सा धोध अभिनेत निर्माता पिंट मोबाइल प्रस्तुत और जाने माने निर्देशक प्रणव झा की फिल्म

टीना टप्पर का प्रदर्शन 24 जनवरी 2025 से सिनेमाघर में होगा। इस फिल्म से सिनेमा एंजीनियरिंग में सबसे बड़ा नाम जो उभर कर सामने आया है RLR सिनेमा जो लिलाई का प्रतिष्ठित मौर्य चंद्रा सिनेमा को नए रूप रंग में मल्टी-लेक्स बनाकर चला रहे हैं और छत्तीसगढ़ के कई सिनेमाघरों का संचालन कर रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री में विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं। फिल्म स्टाइलीज़ में विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।



किया जाता है, लकी रंगशाही जो छत्तीसगढ़ी और हिंदू फिल्मों के वितरक और सिनेमा चैन का संचालन कर रहे हैं। और राज रवंगा जो एक प्रसिद्ध निर्माता निर्देशक और अभिनेता है उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है।

किया जाता है, लकी रंगशाही जो छत्तीसगढ़ी और हिंदू फिल्मों के वितरक और सिनेमा चैन का संचालन कर रहे हैं। और राज रवंगा जो एक प्रसिद्ध निर्माता निर्देशक और अभिनेता है उन्होंने अपने गुरुकैर के प्रति आधार व्यक्त करते हुए यह बड़ा कदम उठाया है।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रुके हैं। इससे गांव में उनकी गांव की विदेव के नाम से शुरू कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य खासरात से गांव को पुनर्जीवित करना और स्थायी अवसरों का निर्माण करना है, क्योंकि काम की तलाश में कई युवा शहरों की ओ

प्रसिद्ध कथावाचक संत बालयोगी अरोड़ा का भाटापारा की प्राचीन रामलीला मंडली कार्यालय में आगमन रामलीला के बाल कलाकारों ने बालयोगी को सुनाया रामलीला का पाठ

■ प्राचीन विद्यिता काल से मंचन होने वाली राम लीला को संत ने बताया अद्भुत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 19 जनवरी।

भाटापारा रामलीला में प्रसिद्ध कथावाचक संत बालयोगी विष्णु अरोड़ा का स्वागत हुआ एवं उसके पश्चात रामलीला में स्थापित भगवान रामदर्शक, गणेशजी एवं शंकर के साथ रामवरित मनस समाधान की पुजा अरती कथावाचक अरोड़ा ने की। रामलीला समिति के सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए अपने उद्घाटन में कहा था कि बहुत चकित हूं और मुझे बहुत अनंद आ रहा है कि बालयोगी विष्णु अरोड़ा ऐतिहासिक 105 वर्ष पूर्ण कर चुकी आदर्श समर्पण से कार्य करते हैं, कलाकार अपने जीवन में भी भगवान श्रीराम के चरित्र को यदि थोड़ा सा भी अभिन्य प्रस्तुति भी बाल योगी के



आत्मसत करें तो हम अपने चरित्र को भी उत्तम बना सकते हैं वहीं भगवान राम के चरित्र लीलाओं का वर्णन किया तथा बच्चों के अभिन्य प्रस्तुति भी बाल योगी के

नामरिकों एवं रामलीला मंडली के सभी संरक्षक पदाधिकारी तथा बाल कलाकारों को बहुत-बहुत आभार एवं साधुवाद दिया।

बालयोगी संत विष्णु अरोड़ा के आगमन कार्यक्रम में आदर्श रामलीला नाटक मंडली के समस्त पदाधिकारीण संस्कृत मंडल एवं भाटापारा के विष्णु एवं प्रतिष्ठित नामांकित मौजूद रहे वहीं बाल कलाकारों में अक्षत जोशी, आदित्य जोशी, काव्यांश शर्मा, हर्ष गुप्ता, धर्मपाल सोनी, शाम मल, आदित्य गुरा, लक्ष्मी चौरसिया, वासु शर्मा, वेष्म शर्मा, शंख प्रिया, माला मिश्रा, अभीष्म ग्रावल, नीलेश मल, नमन मल, शुभ केशवराणी, आदित्य सोनी एवं अन्य कलाकार भी मौजूद रहे।

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छरा, 19 जनवरी। सरस्वती विष्णु मंदिर में आयोजित सामाजिक योग शिविर में योगाचार्य मिथ्यलेश कुमार सिंहा द्वारा अत्र छात्राओं को योगाभ्यास कराया जाता है एवं योग वालों को बताया जाता है। इस साधारण तरीके का लाभ लेना चाहिए। योगाचार्य मिथ्यलेश द्वारा प्रत्येक शनिवार को योग, शुभ्र अवाल, नीलेश मल, नमन नमल, शुभ केशवराणी, आदित्य सोनी एवं अन्य कलाकार भी मौजूद रहे।

देता है, बधाराहट को शांत करता है, और बच्चों में उत्ता को नम करता है।

इसलिए माता पिता को स्वाभाविक रूप से अपने बच्चे खासकर कियारे, जो कि स्वभाव से ही बेचैन और मनमीजी होते हैं, उन के लिए इस साधारण तरीके का लाभ लेना चाहिए। योगाचार्य मिथ्यलेश द्वारा प्रत्येक शनिवार को योग, शुभ्र अवाल, नीलेश मल, नमन नमल आदि का अभ्यास कराया जाता है जो कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। संस्था के प्राचीर्य संतोष वर्मा ने बताया कि विद्या भारती के मुख्य पांच पाठ्यक्रमों में योग शिक्षा की अहम भूमिका है, योगाभ्यास कराने हेतु उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से योगाचार्य का ध्यन्याद किया।

विद्यार्थियों का छुपा हुआ स्वभाव बाहर आता है, ये स्वभाव बहुत ही शुद्ध और सुंदर होता है और खुशी लाता है। इस बातवरण में बच्चे जीवन की विद्यालय स्थिति देखते हैं। ऐसे बातवरण में बच्चे अत्राम शांति और उज्ज्वल नमहस्य करते हैं। ध्यान लेना से बच्चों को बेचैन बच्चे को ध्यान देता है, लाभ लेना से बच्चों को संवेदनशीलता

एक

नजर

यातायात जागरूकता पर प्रश्नोत्तरी में 1380 विद्यार्थियों ने लिया भाग



बलौदाबाजार, 19 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में 35वां संडक सुरक्षा माह 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत जिले में दिनांक 4 से 31 जनवरी तक संडक सुरक्षा माह के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हें वायायात जागरूकता विष्णु अरोड़ा ऐतिहासिक 105 वर्ष पूर्ण कर चुकी आदर्श समर्पण से कार्य करते हैं, कलाकार अपने जीवन में भी भगवान श्रीराम के चरित्र को यदि थोड़ा सा भी अभिन्य प्रस्तुति भी बाल योगी के

आदर्श आचार संहिता के पूर्व ही गांव में अतिक्रमण की बाढ़।

सरपंच और प्रतिनिधि की शह पर चल रहा अवैध मकान निर्माण का खेल

■ अवैध मकान निर्माण करने वालों को पंचायत से नहीं मिली अब तक नीति, प्रशासन पर उठ रहे संवाद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भर्खारा, 19 जनवरी। चुनावी विभूति के लिए कई दोबारे संक्रिय हो गए हैं तो वहीं वर्तमान सरपंच और प्रतिनिधि अपनी बोट तराशने के विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अपनी बोट तराशने के विभिन्न कार्यक्रमों से कथावाचक योगी विष्णु अरोड़ा देकर जीत की हुक्मान भरने में जुट गए हैं।

बता दें कि भर्खारा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुपुणो के ग्रामीण वर्ष वर्तमान सरपंच के सह पर आदर्श आचार सहित लाने के पूर्व ही शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण करने वालों से नहीं लाने के लिए सुरक्षित अ

